नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

एआई इंपैक्ट समिट : महत्वपूर्ण पहल

दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' केवल एक तकनीकी आयोजन भर नहीं है, बल्कि यह भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ाने वाला मंच सिद्ध हो रहा है. यह समिट उस परिवर्तनकारी युग का संकेत है जिसमें ज्ञान, आंकड़ा और नवाचार ही आर्थिक शक्ति के मूल आधार बनेंगे. आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इसके दूरगामी वित्तीय और सामरिक लाभ भारत की विकास यात्रा को नई ऊंचाई देंगे. सबसे पहले, यह समिट वैश्विक निवेश आकर्षण का केंद्र बनकर उभरी है.

विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा भारत में विशाल निवेश की घोषणाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत को भविष्य की डिजिटल शक्ति के रूप में देखा जा रहा है. स्टेटेस्टिकल सेंटर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर और क्लाउड तंत्र में लाखों करोड़ रुपये के निवेश से न केवल पूंजी प्रवाह बढ़ेगा, बल्कि देश में उच्च स्तरीय तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होगा. इससे सहायक उद्योगों, ऊर्जा, दूरसंचार और निर्माण क्षेत्र को भी गति मिलेगी.

दूसरा बड़ा लाभ नवप्रवर्तन उपक्रमों को मिल रहा है. समिट में आयोजित विशेष नवाचार चुनौतियां युवा उद्यमियों को वैश्विक निवेशकों से जोड़ रही हैं. सैकड़ों नवप्रवर्तन उपक्रमों को प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिलना अपने आप में ऐतिहासिक है. विजेताओं को नकद प्रोत्साहन राशि और संगणन सुविधा हेतु विशेष क्रेडिट दिए जा रहे हैं, जिससे वे अपने विचारों को व्यावसायिक रूप दे सकें. इससे भारत का नवाचार परिदृश्य अधिक आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनेगा.

तीसरा आयाम 'निर्माण भारत में' से आगे बढ़कर 'सृजन भारत में' का है. भारत ने स्वदेशी आधार मॉडल विकसित कर यह संकेत दिया है कि वह केवल विदेशी तकनीक का उपभोक्ता नहीं रहेगा. डेटा संप्रभुता की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है. इससे विदेशी निर्भरता घटेगी और विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी. साथ ही, देश में रियायती दरों पर संगणन शक्ति उपलब्ध कराना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है. कम लागत पर उच्च स्तरीय तकनीक की उपलब्धता उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाएगी.

चौथा और सबसे व्यापक प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद तथा रोजगार पर पड़ेगा. आकलन है कि 2030 तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत की अर्थव्यवस्था में सैकड़ों अरब डॉलर के समतुल्य योगदान दे सकती है. यद्यपि कुछ पारंपरिक रोजगार प्रभावित हो सकते हैं, परंतु डेटा वैज्ञानिक, मशीन शिक्षण अभियंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता नैतिकता विशेषज्ञ जैसे नए क्षेत्रों में लाखों अवसर उत्पन्न होंगे. कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की नीति के साथ यह परिवर्तन सकारात्मक सिद्ध हो सकता है. क्षेत्रीय दृष्टि से भी इसके व्यापक लाभ दिखाई देते हैं. कृषि में सटीक खेती तकनीक से उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है. स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान प्रणाली से उपचार सस्ता और सुलभ होगा, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में. वित्तीय प्रौद्योगिकी में उन्नत विश्लेषण से धोखाधड़ी पर नियंत्रण होगा और डिजिटल लेनदेन में विश्वास बढ़ेगा.

समग्र रूप से यह समिट भारत को वैश्विक दक्षिण के नेतृत्वकारी देश के रूप में स्थापित कर रही है. भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अनुसंधान, नवाचार और अर्धचालक निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है. यदि नीति, निवेश और कौशल विकास का यह समन्वय निरंतर बना रहा, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक मोड़ सिद्ध होगी.

केंद्रीय बजट विश्लेषण

स्पीड, स्केल और संकल्प का केंद्रीय बजट

अखिलेश जैन

> जो देश कृषि उत्पादों को आयात करता था, अनाज की कमी से जुझता था, आज वही देश ढाई लाख करोड़ रुपए से अधिक के कृषि उत्पादों को निर्यात करता है, कितना फर्क है, सरकार की अर्थ नीति कर्तव्य नीति ज्यादा दिखाई देती है. जिसके चलते सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में सफलता प्राप्त की है. इसलिए मोदी सरकार के बजट में, मोदी सरकार की अर्थनीति में, स्पीड और स्केल में, हर क्षेत्र की तरफ, नभ, जल और आकाश सभी तरफ नए कीर्तिमान स्थापित होते दिखते हैं. क्योंकि हमारे पूर्व की क्षमताओं से हम एक नए स्तर पर आ गए हैं. मोदी सरकार का लक्ष्य तो इससे कहीं ऊपर है. देश को वापस अपना खोया हुआ गौरव हासिल करना है. देश को विश्व की अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है. इसीलिए भारत विश्व का ग्लोबल ग्रोथ इंजन है. कोई भी इस विकास की दौड़ में पीछे ना छूटे, कोई भी विकास की भागीदारी में रह ना जाए, समग्र विकास के साथ-साथ समग्र दृष्टिकोण केवल भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री मोदी जी ही कर सकते हैं.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ना तो छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं. स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होती है. कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं. प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं. प्रधानमंत्री जी कार्य शुरू करके उसको 100% तक पूरा करने का प्रयास करते हैं. यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है. सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया. कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चितताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे. यही प्रति व्यक्ति आय 2024 - 2025 में 235000 रुपए सालाना तक पहुंच गई.

यही प्रधानमंत्री जी की अर्थनीति, स्पीड और स्केल है, यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है. 2014-15 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 98405 रुपए सालाना के लगभग थी, 2024 - 2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 234859 रुपए सालाना तक पहुंच गई. यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है. भारत का कुल निर्यात 2013-14 के दौरान 465 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था जो 2024 - 2025 में भारत का कुल निर्यात 825.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया. अर्थात् 11 वर्षों में भारत का निर्यात 177.5 % की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया. यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है. मंदी के दौरान भी भारत ने पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है. मोदी सरकार के लगातार सुधारों एवं प्रयासों के परिणाम स्वरूप एफडीआई 2013-14 में लगभग 36 अरब अमेरिकी डॉलर था. 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, 222.23 % की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया. जो निवेशकों के निरंतर विश्वास और सेवा, डिजिटल, विनिर्माण एवं बुनियादी अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में निवेश की तेज गति को दर्शाता है. यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति और 13 वर्षों बजट है. 2014 में हाई- स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 550 किलोमीटर थी, वित्त वर्ष 2025- 2026 में दिसंबर तक 5,364 किलोमीटर हो गई है. लगभग दस गुना बढ़ गई है. यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है. हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, 2025 में 164 हो गई है. भारत घरेलू विमानन के क्षेत्र में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है. यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है.

नवीकरणीय ऊर्जा तथा संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत मार्च 2014 में 76.38 गीगावॉट पर था, नवंबर 2025 तक 253.96 गीगावाट हो गई, वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है. कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है. यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है. 2014 में उच्च गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 31,445 किमी थी, 2025 तक लगभग दोगुनी से भी ज्यादा होकर होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के लगभग 80% हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो पा रहा है. उद्योग को समर्थन देना उद्योग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है. इसलिए उच्च स्तरीय उच्च गति की रेल कॉरिडोर का विकास औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष सहायक होगा.

(लेखक सीए व भाजपा मप्र के प्रदेश कोषाध्यक्ष हैं)

दिल्ली डायरी

बसपाई हाथी के साथ दौड़ने की फिराक में सपाई साइकिल

प्रवेश कुमार मिश्र

विधानसभा चुनाव में सपा व बसपा के बीच संभावित गठबंधन की आहट मिलने लगी है. ऐसे में दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या कांग्रेस से हाथ छुड़ाकर सपाई साइकिल बसपाई हाथी के साथ कदमताल करने की तैयारी में है ?

कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के पस्त होते वजूद को ध्यान में रखते हुए सपाई रणनीतिकारों ने नए राजनीतिक विकल्प की तलाश आरंभ कर दी हैं. हालांकि कांग्रेस पार्टी अभी भी लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का हवाला देकर एकजुट होकर लड़ने की बात कह रही है लेकिन जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए सपाई व बसपाई रणनीतिकारों ने अपने-अपने वोटबैंक को मजबूत आधार देने के लिए गठबंधन के विकल्प पर विमर्श आरंभ कर दिया है.

पवार परिवार की एकजुटता पर ग्रहण

एनसीपी नेता व महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु के बाद एनसीपी के दोनों गुटों के बीच की प्रस्तावित व संभावित एकजुटता को ग्रहण लग गया है. जिस तरह से अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को आगे बढ़ाते हुए उन्हें दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी रणनीतिकारों ने रणनीति बनाई है उससे साफ है कि अब शरद पवार गुट के साथ वार्ता का रास्ता बंद होने लगा है.

हालांकि दिल्ली में चर्चा है कि शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने पारिवारिक एकजुटता के लिए जल्द ही एक पारिवारिक बैठक बुलाकर एकजुटता के अंतिम प्रयास को अमलीजामा पहनाने में लगीं हैं. लेकिन जिस तरह से महाराष्ट्र भाजपा के साथ-साथ राजग में शामिल कुछ दलों के रणनीतिकार एनसीपी पर नजर रखें हुए हैं उससे पवार परिवार की एकजुटता की संभावना कम होती दिख रही है.

युवाओं के रूख पर पश्चिम बंगाल का राजनीतिक भविष्य

पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में भले ही सत्ताधारी टीएमसी को भाजपा की ओर से कड़ी टक्कर दी जा रही है लेकिन इस बार बंगाल का राजनीतिक भविष्य युवा मतदाताओं के हाथ दिख रहा है. कहा जा रहा है कि जाति,धर्म और प्रांतवाद से परे युवाओं के रूख पर दोनों दलों का भविष्य टिका हुआ है.

जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा साथी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वीं पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर बेरोजगारी खत्म करने का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है.

ट्रेड डील से होने वाले फायदे व नुकसान पर बहस

संसद के बजट सत्र के दौरान संसद के अंदर और बाहर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जिस तरह से बहस हुई उसको लेकर अलग-अलग तर्क के साथ चर्चा किया जा रहा है. कांग्रेस इसे सरकार की ढुलमुल नीति और अमेरिका के साथ किसानों के हितों को सुरक्षित नहीं रखने का आरोप लगाकर बड़े आंदोलन की रणनीति बना रही है जबकि व्यापार समझौता में शामिल मंत्री के साथ-साथ अन्य विशेषज्ञ इसकी अच्छाई को बताकर किसी भी भ्रम को दूर करने के प्रयास में है. ऐसे में चर्चा है कि औपचारिक समझौते के बाद सरकार एक सोची-समझी रणनीति के तमाम इसके सकारात्मक पक्षों को उजागर करते हुए विपक्षी आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देगी. इतना ही नहीं संभावित कांग्रेसी आंदोलन के पहले भाजपा अपने संगठन के माध्यम से गांव-गांव तक परिचर्चा कर इस समझौते के संदर्भ में तथ्यात्मक तर्क रखेगी ताकि किसी भी तरह का भ्रम न रहे.

बांग्लादेश में नई राजनीतिक बयार

बांग्लादेश ने विगत कुछ माह में बहुत से उतार-चढ़ाव देखे हैं. शेख हसीना का निर्वासन, युवाओं की बगावत और अब बेगम जिया की पार्टी बीएनपी की शानदार जीत. बांग्लादेश का जन्म भारत की अगुवाई में हुआ. अब तक भारत से उसके रिश्ते बहुत अच्छे रहे. भारत ने तीस्ता विवाद से लेकर हर समझौते में बांग्लादेश को झुकता नाम दिया. लेकिन यूनुस की केयर टेकर सरकार ने पाकिस्तान से प्यार की पींगे बढ़ाई और कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान को अपना खैरख्वाह माना. मगर अब ऐसा लगता है कि शायद भारत से वह संबंध सुधारने की पहल कर रहा है. क्योंकि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के चेयरमैन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई चुनी हुई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए पीएम मोदी को न्योता दिया गया, किंतु उनकी जगह लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला 17 फरवरी को इसमें शिरकत करेंगे. इस पहल का स्वागत करते हुए बांग्लादेश की ओर से जारी सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से जुड़े पड़ोसियों के तौर पर, भारत बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार के आने का स्वागत करता है, जिनके विजन और मूल्यों को लोगों का भारी समर्थन मिला है. भारत के अलावा चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं. यह बांग्लादेश का 13वां राष्ट्रीय चुनाव है. जिस तरह से वहां धार्मिक ध्रुवीकरण हुआ है और अल्संख्यक हिंदुओं का दमन तथा हत्याओं का सिलसिला जारी रहा है, आशा की जानी चाहिए कि अब वह थमेगा और भारत के साथ उसके संबंध भले ही पहले की तरह न हों, किंतु पटरी पर तो आ ही जाएंगे.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आज चल रही है स्पेस एज लेकिन राजनीति में परसेंटेज

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, परीक्षा सीजन चल रहा है लेकिन हमें समझ में नहीं आता कि परसेंटेज या प्रतिशत कैसे निकाला जाए. इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों से परसेंटाइल शब्द भी चल पड़ा है. एक जमाना था जब 60 प्रतिशत नंबर लेकर प्रथम श्रेणी में पास होना और किसी विषय में 75 प्रतिशत अंक लेकर डिस्टिंक्शन पाना गौरवपूर्ण माना जाता था. अब तो 90 परसेंट से कम वालों की भी कोई कद्र नहीं है. विद्यार्थी पर दबाव रहता है कि ज्यादा से ज्यादा मार्क्स हासिल करे. कुछ तो शतप्रतिशत तक नंबर ले आते हैं. क्या इसका मतलब यह है कि उनकी अक्ल किताब के लेखक के बराबर होती है?'

हमने कहा, 'आपको मालूम होना चाहिए कि दुनिया का सारा व्यवहार परसेंटेज पर चलता है. अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प इसमें माहिर हैं. उन्होंने अपने देश में आनेवाले इस्पात और अल्यूमीनियम पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया. हालांकि अब नई ट्रेड डील की बदौलत यह टैरिफ घट कर 18% हो गया है. पर फिर भी विदेश से आनेवाला माल महंगा हो जाएगा और अमेरिका में स्टील व अल्यूमीनियम इंडस्ट्री को प्रोत्साहन मिलेगा. वहां अधिक लोगों को रोजगार हासिल होगा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम समझ गए कि परसेंटेज शक्तिशाली या ग्रेट बनाना चाहते हैं. हमें उनसे कुछ सीखना चाहिए.' हमने कहा, 'अपने देश के नेता और अधिकारी भी परसेंटेज निकालने में प्रवीण हैं. विकास का रथ परसेंटेज के पहियों पर चलता है. मंत्री, सांसद, विधायकों, अफसरों को जो ठेकेदार ज्यादा परसेंटेज देता है उसका टेंडर पास हो जाता है. सारा खेल दलाली और कमीशन का है. कितने ही अफसर अपने वेतन से ज्यादा तो कमीशन में कमा लेते हैं. परसेंटेज के लालच में एक सड़क साल में 4 बार खोदी और बनाई जाती है. कुछ योजनाएं सिर्फ कागज पर रहती हैं लेकिन उनकी निर्माण लागत का परसेंटेज पहले ही बांट लिया जाता है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज स्व. राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तो उन्हें परसेंटेज का रहस्य मालूम था. उन्होंने कहा था कि हम केंद्र से गरीब के लिए 1 रुपया भेजते हैं लेकिन उसे सिर्फ 15 पैसे मिल पाते हैं. मतलब यह कि 85 प्रतिशत रकम बीच के लोग खा जाते हैं.'

हमने कहा, 'अब डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर या डीबीटी से रकम भेजी जाती है लेकिन फिर भी भ्रष्टाचारी लोग अपनी कमाई का रास्ता निकाल ही लेते हैं. नेताओं की राजनीति वोटों के परसेंटेज पर निर्भर रहती है. अगड़े-पिछड़े, जाति, भाषा सभी का प्रतिशत निकाल स्वार्थ पूरा किया जाता है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12174

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8	9	■	10	
11		12	■	13	14		
■	15		16			■	
17	■	18		■	19	20	■
	■	21		■	■	22	23
24	25	■	■	26	27		
28			■	29			

बाएं से दाएं
1.अजीर्ण के कारण होने वाला पेट दर्द 4. पति, प्रेमी 7. रहस्य, भेद, गुप्त बात (उर्दू) 8. घर, मकान, रहना (सं.) 10. सीमा, मर्यादा 11. कहार, सरदार, श्रेष्ठ 13. क्षतिपूर्ति, हानि के बदले में दिया जाने वाला धन 15. एक प्रकार का लडाकू वायुयान जिससे शत्रु पर बम गिराए जाते हैं 18. दली हुई अरहर-मूंग आदि 19. महा, अति, बहुत 21. तंदूर में पकाई जाने वाली एक तरह की मोटी खमीरी रोटी 22. लज्जा, शर्म, हया 24. मित्र, प्रेमी 26. मच्छर आदि से बचने के लिए पलंग के चारों ओर लगाया गया जालीदार कपड़ा 28. तन्मयता 29. अभिप्राय, आशय

ऊपर से नीचे
1. विश्राम, आरोग्य, सुख, चैन 2. धार्मिक संप्रदाय, मत, पंथ, धर्म (उर्दू) 3. तीतर की जाति का एक छोटा पक्षी 5. गाने या बोलने का ढंग, स्वर 6. शिव (सं.) 9. खुशी से 12. एक प्रकार का धान 14. धन, संपत्ति 16. घुमाव, फिराव, फेरा 17. हरे-भरे पेड़-पौधों का विस्तार 20. समुद्रमंथन के समय निकला हुआ भयंकर विष 23. भूमि नापने की 60 गज लंबी जंजीर 25. जंगल, रण, युद्ध 26. मेरा (सं.) 27. किसी पदार्थ का सार भाग, सत्य, सच

Solution 12173

वा	स	व्य	व	स्था	■	का	श
स	र	स	■	व	री	य	ता
ना	■	न	■	र	■	दा	नी
■	पा	■	मि	■	वा	■	क
अ	र्थ	शा	स्त्र	■	द	■	■
मि	■	र	■	छ	वि	गृ	ह
ता	ज	दा	र	■	वा	ह	क
भ	य	■	■	प	द	स्थ	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, सफलता मिलेगी, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक गतिविधियों का योग है, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, यात्रा होगी,वर्ष के अन्त में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, दिनचर्या में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुख साधनों की उपलब्धता रहेगी, उत्तरदायित्वों को संभालना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यापार में सफलता मिलेगी, यात्रा में कष्ट होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को आय में सुधार होगा, धार्मिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उन्नति होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी, अध्ययन में रूचि रहेगी.मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का मनोबल बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, हंसमुख, मिलनसार, दयालु तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होगा. नौकरी या पैतृक कार्य में संलग्नता रहेगी. परिश्रमी होगा. मनोरंजन यात्रा में विशेष रूचि रहेगी. पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

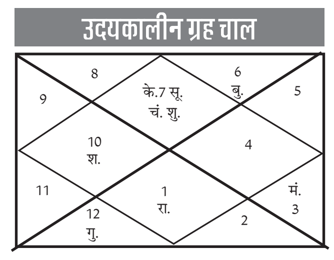

पंचांग

रा.मि. 29 संवत् 2082 फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे शाम 5/5, शतभिषा नक्षत्रे रात 9/39, शिव योगे रात 11/21, वव करणे सू.उ. 6/23, सू.अ. 5/37, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी. किन्तु आज मंदी रहने पर गेहूं, चना में तेजी का रूख बना रहेगा. तिलहन में तेजी का योग है. सफेद रंग की वस्तुओं में अचानक तेजी होगी. भाग्यांक 5719 है.

मेष- पारिवारिक मामलों का समाधान होगा. महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी. व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें. सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी.

वृषभ- नए निवेश लाभदायी रहेगें. मेहनत का फल मिलने लगेगा. शारीरिक कष्ट तथा मानसिक परेशानियों का समाधान होगा. व्यक्तित्व का विकास होगा.

मिथुन- तरक्की की सम्भावना बनेगी. शत्रु आपसे भयभीत होंगे. कोर्ट कचहरी के कार्यों में विलम्ब होगा. सुख शांति में कमी होगी. मांगलिक कार्य बनेंगें.

कर्क- कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी. आकस्मिक योजनाओं से अच्छा लाभ होगा. रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी. कुछ नये कार्यों में परेशानी हो सकती है.

सिंह- कठोर परिश्रम करके विपरीत स्थिति को अनुकूल बना सकते हैं. स्वयं से कोई भूल होगी. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. लाभप्रद अवसरों की प्राप्ति होगी.

कन्या- गलत तरीके से धन कमाने का प्रयास नुकसानदायक रहेगा. कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी. व्यापार व्यवसाय में पूंजी लगाने में पूर्ण सावधानी रखें.

तुला- व्यापरिक क्षेत्र में लोग अड़चन पैदा करने की कोशिश करेंगे. कुटुम्बियों के कार्यों को करने में व्यस्तता रहेगी. मन में उत्साह बना रहेगा. प्रतिष्ठा प्राप्त होगी.

वृश्चिक- महत्वपूर्ण योजना को पूरा करने काप्रयास करें. कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी. आर्थिक लाभ का योग है. कामकाजी महिलाओं को कार्य अधिक करना पड़ेगा.

धनु- पूर्व योजना के बिना शुरू किये गये कार्यों में असफलता का मुँह देखना पड़ेगा. अनावश्यक कार्यों में समय खर्च होगा. मन में उत्साह दायित्वों की पूर्ति होगी.

मकर- कोर्ट कचहरी में चल रहे मामले और उलझ सकते हैं. धैर्य से काम लें. किसी व्यक्ति के द्वारा अपमान का शिकार होना पड़ सकता है, कार्यों में रूचि रहेगी.

कुम्भ- किसी बात को लेकर तनाव रहेगा. किसी व्यक्ति की सलाह लेना हितकर रहेगा. नियोजित कार्य की रूपरेखा पर विचार विमर्श होगा.

मीन- आप समस्याओं से उबरने में सफल रहेगें. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. परिश्रम सार्थक होगा. अधिकारियों के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है.

SUDOKU 7306

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7305

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1